



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 806] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 28, 1992/पौष 7, 1914
No. 806] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 28, 1992/PAUSA 7, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1992

साधारण श्रेय बचत स्कॉम, 1992

का धारा 978 (अ) --केन्द्रीय सरकार आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए निम्नलिखित स्कॉम बनाती है, अर्थात् --

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ: 1. (1) इस स्कॉम का संक्षिप्त नाम
साधारण श्रेय बचत स्कॉम, 1992 है।

(2) यह 29 दिसम्बर, 1992 को प्रवृत्त होगी।

2 परिभाषाएं इस स्कॉम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा
अपेक्षित न हों,--

(क) "अधिनियम" से आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) अभिप्रेत है;

(ख) "निर्धारित" से अभिप्रेत है,--

(i) ऐसा व्यक्ति, या

(ii) ऐसा हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब, या

(iii) ऐसे व्यक्तियों का संगम या व्यक्तिगतों का निकाय, जिसमें
दोनों दशाओं में, केवल पति, पत्नी हैं, जो गोवा राज्य
तथा दादरा और नागर हवेली तथा दमण और दीव
संघ राज्य क्षेत्रों में प्रवृत्त संपत्ति की सामवायिक वृद्धि
से शासित होते हैं।

जिसके द्वारा या जिसको ओर से विनिधान किया जाता है।

(ग) "विनिधान" से इस स्कॉम के अनुसार बनाई गई योजना
के अधीन किसी निर्धारितों द्वारा यूनिट ट्रस्ट या किसी
पारस्परिक निधि के यूनिटों में किया गया विनिधान
अभिप्रेत है।

(घ) "पारस्परिक निधि" से इस स्कॉम के अनुसार बनाई गई
कोई योजना अभिप्रेत है।

(ङ) "योजना" से इस स्कॉम के अनुसार बनाई गई कोई योजना
अभिप्रेत है;

(च) "यूनिट ट्रस्ट" में भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) के अन्तर्गत स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिप्रेत है।

(छ) 'वर्ष' से अप्रैल के प्रथम दिन को प्रारम्भ होत वाला वर्ष अधिप्रेत है।

(ज) ऐसे वर्षों और पर्वों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो अधिसूचना अधिनियम में हैं।

1. विनिधान और पुनः क्रय (क) यूनिट ट्रस्ट या किसी पारस्परिक निधि को कितने योजना में विनिधान की जाने वाली रकम, 500 रु. गुणों में और कम से कम 500 रु. होगी।

(ख) यूनिट ट्रस्ट में या पारस्परिक निधि उक्त ट्रस्ट या निधि द्वारा विनिश्चित प्रमाण में किये गये सभी पूर्ण आवंटनों की वास्तव प्रत्येक वर्ष 31 मार्च तक, यूनिटों का आवंटन करेगी।

(ग) योजना, जिसमें वर्ष 1992-93 के दौरान कम से कम एक भाग के लिए तथा, पश्चात्तर्फी वर्षों के दौरान कम से कम तीन भाग का अंश के निचे खर्चा रहेगा।

(घ) योजना में के विनिधान का यूनिटों के आवंटन को तारीख से कम से कम तीन वर्षों की अवधि के लिये रखना होगा। निर्धारित की, तीन वर्षों की उक्त अवधि के पश्चात् यूनिट ट्रस्ट या पारस्परिक निधि को पुनः क्रय के लिये यूनिटों निविदित करने का विकल्प होगा।

(ङ) निर्धारित की मूल्य की दशा में, यथास्थिति, नामनिर्देशित या विधिकारित, निर्धारित की यूनिटों के आवंटन की तारीख से एक वर्ष पूरा हो जाने के पश्चात् ही, या पश्चात्तर्फी किसी भी समय, विनिधान का प्रत्याहरण कर सकेगा।

2. अन्तर्णीयता : किसी योजना के अधीन जारी किए गए यूनिट इसके जारी किए जाने की तारीख से 3 वर्ष पश्चात् अन्तरित समन्वित या गिरवी रखे जाएंगे।

3. साधारण शेयर बचत निधियों का विनिधान (क) योजना के अधीन संप्रदाय की गई निधियों का विनिधान साधारण शेयरों, संयुक्त संप्रदाय बचत निधियों और बंधपत्रों में किया जाएगा डिबेंचरों और बंधपत्रों के, जिनमें अधिकार के आधार पर प्रतिशुत डिबेंचर और बंधपत्र सम्मिलित हैं। साधारण संप्रदाय निधियों में भी विनिधान इस शर्त के अधीन रहना हुए किया जा सकेगा कि यथासंभव, इस प्रकार अर्जित या प्रतिशुत डिबेंचरों के संप्रदाय भाग का 10 भाग की अवधि के भीतर अप-विनिधान किया जाए।

(ख) यह निविदित करना होगा कि योजना की निधियों का कुछ (क) में विनिश्चित प्रतिशुतियों में कम निम्न 80 प्रतिशत तक विनिधान हो। यूनिट ट्रस्ट और पारस्परिक निधि, अन्तर्गत निधियों के प्रत्येक योजना के अंतर्गत का तारीख से 6 मास की अवधि के अंतर्गत उद्घाटन के लिये विनिधान करने का प्रयास करेगा। अन्तर्गत पारस्परिक निधि में, यूनिट ट्रस्ट या निधि द्वारा इन अपेक्षा का पालन किया जा सकेगा ताकि निर्धारित के हितों का संरक्षण हो सके।

(ग) अपेक्षित रोज से कितनी योजना की निधियों का विनिधान होगा, यूनिट ट्रस्ट और पारस्परिक निधि ऐसी निधियों का विनिधान अन्तर्गत निधि बाजार प्रवर्तकों में या अन्य नकद प्रवर्तकों में या दोनों में कर सकेगी। यूनिटों का आवंटन को तारीख से तीन वर्ष के पश्चात् यूनिट

ट्रस्ट या पारस्परिक निधि, योजना की शुद्ध आयियों के 20 प्रतिशत तक को अन्तर्गत निधि बाजार प्रवर्तकों और अन्य तहत प्रवर्तकों में इस उद्देश्य से धारित कर सकेगी कि उन यूनिट धारकों के विनिधान का मोचन किया जा सके जो उन्हें पुनः क्रय के लिए यूनिटों निविदित करे।

6. पुनः क्रय कीमत (क) यूनिट ट्रस्ट और अन्य पारस्परिक निधियों, यूनिटों के आवंटन की तारीख के एक वर्ष पश्चात् और उसके अर्द्धवार्षिक आधार पर पुनः क्रय कीमत की घोषणा करेगी।

(ख) यूनिटों के आवंटन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के पश्चात् जब से यूनिटों का पुनः क्रय प्रारम्भ होता है, ट्रस्ट और पारस्परिक निधि, प्रत्येक मास या उतर्गत मास जैसा उनके द्वारा विनिश्चित किया जाए, पुनः क्रय कीमत की घोषणा करेगी।

(ग) पुनः क्रय कीमत की संयोजना करने में, यूनिट ट्रस्ट और पारस्परिक निधियों, योजना की निधियों के विनिधान के मूल्य में अर्द्धवार्षिक वृद्धि को उस मास तक हिसाब में लेगा जा वह उचित समझे परंतु यह सब जब कि यह ऐसे अर्द्धवार्षिक वृद्धि के 50 प्रतिशत से कम न हो। पुनः क्रय मूल्य की संयोजना करने समय, यूनिट ट्रस्ट और पारस्परिक निधियों ऐसी राशियों को कटौत कर सकेगी जो प्रबंध, विक्रय और अन्य व्ययों को जिनके अंतर्गत आयियों का आगम है, पूरा करने के लिए उद्घाटित हों तथा ऐसा राशियां योजना के अधीन शुद्ध आयि मूल्य के 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होंगी।

(घ) यूनिटों का पुनः क्रय, यूनिटों को पुनः क्रय के लिए निविदित करने की तारीख का विद्यमान पुनः क्रय कीमत पर किया जाएगा।

7. विनिधान या पुनः क्रय का माध्यम : निर्धारित द्वारा किसी योजना में किए गए विनिधान की पावनी यूनिट ट्रस्ट और पारस्परिक निधियों द्वारा विनिधान प्रमाणपत्र या लेखा विवरण जारी करके, जैसा उनके द्वारा विनिश्चित किया जाए, देती होगी।

8. योजना को समाप्त : (क) यूनिट ट्रस्ट या पारस्परिक निधि द्वारा संचालित योजना उस वर्ष से जिसमें उस योजना के अधीन यूनिटों का आवंटन किया जाता है, 10 वर्षों का समाप्त पर समाप्त हो जाएगी।

(ख) यदि किसी योजना के अधीन 90 प्रतिशत या उससे अधिक यूनिटों का 10 वर्ष पूरा होने के पूर्व पुनः क्रय किया जाता है तो यूनिट ट्रस्ट और पारस्परिक निधियों, अपने विवेकानुसार, उस योजना की 10 वर्षों की नियत अवधि के पूर्व या समाप्त कर सकेंगी और पराबेय यूनिटों का माध्यम अन्तर्गत द्वारा नियत प्रतिम पुनः क्रय कीमत पर कर सकेंगी।

[फा.सं. 19/19/एस.ई./92]

वाई. वेनुगोपाल रेड्डा, सचिव साख (विनिधान)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th December, 1992

EQUITY LINKED SAVINGS SCHEME, 1992

S.O. 928(E).—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby make the following scheme.

1. Short title and commencement :—(1) This scheme may be called the Equity Linked Savings Scheme, 1992.
(2) It shall come into force on the 29th day of December, 1992.

2. Definitions :—In this scheme, unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Income-tax Act (43 of 1961) ;

(b) "assessee" means :—

(i) an individual ; or

(ii) a Hindu undivided family; or

(iii) an association of persons or a body of individuals consisting, in either case, only of husband and wife governed by the system of community of property in force in the State of Goa and Union Territories of Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu by whom, or on whose behalf, investment is made;

(c) "investment" means an investment in Units of the Unit Trust or a Mutual Fund by an assessee under a plan formulated in accordance with this scheme;

(d) "Mutual Fund" means any Mutual Fund specified under Clause (23-D) of section 10 of the Act;

(e) "plan" means any plan formulated in accordance with this scheme;

(f) "Unit Trust" means the Unit Trust of India established under the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963);

(g) "year" means a year commencing on 1st day of April;

(h) Words and expressions used herein but not defined shall have the meanings respectively, assigned to them in the Income-tax Act.

3. Investment and Repurchase :—(a) Amount to be invested in a plan of the Unit Trust or of a Mutual Fund shall be in multiples of Rs. 500 with a minimum of Rs. 500.

(b) The Unit Trust or a Mutual Fund shall allot the Units in respect of all complete applications, made in the form specified by that Trust or Fund, not later than on 31st March, every year.

(c) The plan shall be open for a minimum period of one month during the financial year 1992-93 and a minimum period of three months during the subsequent years.

(d) Investment in the plan will have to be kept for a minimum period of three years from the date of allotment of units. After the said period of three years, the assessee shall have option to tender the units to the Unit Trust or the Mutual Fund, for repurchase.

(e) In the event of the death of the assessee, the nominee or legal heir, as the case may be, shall be able to withdraw the investment only after the completion of one year from the date of allotment of the units to the assessee or anytime thereafter.

4. Transferability :—Units issued under the plan can be transferred, assigned or pledged after 3 years of its issue.

5. Investment of Equity Linked Saving Funds :—(a) The funds collected under a plan shall be invested in equities, cumulative convertible preference shares and fully convertible debentures and bonds of companies. Investment may also be made in partly convertible issues of debentures and bonds including those issued on rights basis subject to the condition that, as far as possible, the non-convertible portion of the debentures so acquired or subscribed, shall be disinvested within a period of 12 months.

(b) It shall be ensured that funds of a plan shall remain invested to the extent of at least 80 per cent in securities specified in clause (a). The Unit Trust

and Mutual Fund shall strive to invest their funds in the manner stated above within a period of 6 months from the date of closure of the plan in every year. In exceptional circumstances, this requirement may be dispensed with by the Unit Trust or the Fund, in order that the interests of the assessee are protected.

(c) Pending investment of funds of a plan in the required manner, the Unit Trust and Mutual Fund may invest the funds in short-term money market instruments or other liquid instruments or both. After three years of the date of allotment of the units, the Unit Trust or Mutual Fund may hold upto 20 per cent of net assets of the plan in short-term money market instruments and other liquid instruments to enable them to redeem investment of those unit-holders who would seek to tender the units for repurchase.

6. Repurchase Price : (a) The Unit Trust and other Mutual Funds shall announce the repurchase price one year after the date of allotment of the units and thereafter on a half-yearly basis.

(b) After a period of three years from the date of allotment of units, when the repurchase of units is to commence, the Trust and the Mutual Fund shall announce a repurchase price every month or as frequently as may be decided by them.

(c) In calculating the repurchase price, the Unit Trust and the Mutual Funds shall take into account the unrealised appreciation in the value of the investment of the funds of a plan to the extent they deem fit provided that it shall not be less than 50 per cent of such unrealised appreciation while calculating the repurchase price, the Unit Trust and Mutual Funds may deduct such sums as are appropriate to meet management, selling and other expenses including realisation of assets and such sums shall not exceed 5 per cent per annum of the average Net Asset Value of a plan.

(d) Repurchase of Units will be at the repurchase price prevailing on the date the units are tendered for repurchase.

7. Evidence of Investment or Repurchase : The investment made in any plan by an assessee will be acknowledged by the Unit Trust and Mutual Fund by issue of certificate of investment or a statement of account as may be decided by them.

8. Termination of a Plan : (a) A plan operated by Unit Trust or a Mutual Fund would be terminated at the close of the 10th year from the year in which the allotment of units is made under the plan.

(b) If 90 per cent or more of the units under any plan are repurchased before completion of 10 years, the Unit Trust and Mutual Fund may at their discretion, terminate that plan even before the stipulated period of 10 years; and redeem the outstanding units at the final repurchase price to be fixed by them.

[F. No. 19/19/SE/92]

Y. VENUGOPAL REDDY, Jr. Secy.
(Investment)

